Title: Request to provide food for work, fodder for livestock and drinking water to the drought and starvation affected areas of Rajasthan.

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर) : मान्यवर अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार का ध्यान राजस्थान की ओर आकर्ति करना चाहूंगा। राजस्थान के अंदर पिछले तीन साल से घोर अकाल और सूखे की स्थिति है और 32 में से 31 जिलों के 30585 गांव सूखे की चपेट में हैं। लगभग एक करोड़ किसान और चार करोड़ पशुधन गंभीर आपदा से जूझ रहे हैं। अधिकांश जिलों में बहुत कम वार्ा हुई है। सारे तालाब और जलाशय सूख गए हैं और भूमिगतत जल स्तर बहुत नीचे चला गया है। इससे पेयजल की समस्या भी पैदा हो गई है। कई गांवों में टैंकरों से पानी की आपूर्ति करने की ज़रूरत है। थोड़ी बहुत फसल बची थी लेकिन बिजली का अभाव है और जिस समय जरूरत नहीं है, दो-तीन घंटे बिजली मुश्किल से आ रही है। परिणामस्वरूप रबी की फसल की 1847 करोड़ रुपये की पैदावार कम होने की संभावना है। काम के अभाव में राजस्थान के गांव खाली हो गए हैं। गुजरात में भूकंप आने के कारण पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश और दूसरे राज्यों के लिए गांव के गांव पलायन कर रहे हैं। राजस्थान सरकार ने जो काम दिया, एक पंचायत में 30-40 आदमियों को फैमीन रिलीफ वर्क पर लगाया है जबकि आप जानते हैं कि गरीबी की रेखा से नीचे एक पंचायत के अंदर 300-400 लोग होते हैं। वहां 30-40 आदमियों को ही काम पर लगाया और उसका भी राजनीतिकरण किया जा रहा है। राजस्थान सरकार से कहते हैं तो वह कहती है कि खजाना खाली है और केन्द्रीय सरकार पैसा नहीं दे रही है। यहां माननीय कृाि मंत्री जी बैठे हैं और भारत सरकार के अन्य मंत्रीगण बैठे हैं। मैं उनसे आग्रह करना चाहूंगा कि ऐसी घोर प्राकृतिक आपदा से ग्रस्त,. अकाल और सूखे से ग्रस्त राजस्थान के करोड़ों निवासियों को काम देने के लिए, पशुधन की रक्षा करने के लिए, चारे की व्यवस्था करने के लिए और पेयजल की व्यवस्था के लिए केन्द्रीय सरकार अविलंब कदम उठाए और राजस्थान की निकम्मी सरकार के भरोसे हम लोगों को न छोड़े।